सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शनिवार, 12 अप्रैल, 2025

वर्षः 02, अंकः 106, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड डीएम ने कहा 'अभिभावकों से अवैध वसूली संचारी रोग की... » Pg04

हम अपने बेटों से रिक्शा चलवाएंगे?

» Pg12

रामजीलाल सुमन के खिलाफ करणी सेना का हल्ला-बोल

क्षत्रियों की हुंकारः पुलिस के सामने लहराईं तलवारें-बंदूक

शहर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू

राणा सांगा के खिलाफ विवादित बयान का मामलाः प्रदर्शनकारियों की भीड़ हुई एक लाख से पार । सांसद के आवास पर बढ़ा पहरा

रक्त स्वाभिमान रैली

प्रदर्शन में महिलाएं बच्चे भी हुए शमिल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में करणी सेना की रक्त स्वाभिमान रैली शुरू हो गई है। कार्यक्रम में बढ़ी संख्या में लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुक्रवार रात से ही शुरू हो गई थी। करीब एक लाख से अधिक लोगों के रैली में पहुंचने की खबरें आ रही हैं। करणी सेना की स्वाभिमान रैली को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती शहर के महत्वपूर्ण पॉइंट्स पर की गई है। वहीं, समाजवादी पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन के आवास की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आगरा शहर में ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू कर दिया गया है। वहीं, बारिश और आंधी के कारण कार्यक्रम मंच के बर्बाद होने का दृश्य रात को सामने आया था। हालांकि, अब कार्यक्रम के आयोजकों की ओर से युद्धस्तर पर मंच को तैयार कराया जा रहा है। रैली की शुरुआत दोपहर 12 बजे से हुई है। इसके शाम 5 बजे तक चलने का समय निर्धारित है।

इस दौरान करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए तलवारें लहराईं और सपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनस्थली पर पुलिस के पहुंचते ही कार्यकर्ता उग्र हो गए। कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सामने की नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों का आक्रोश भीड़ देखकर पुलिस को वापस लौटना पड़ा। प्रदर्शनकारियों में युवाओं के अलावा महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इस सम्मेलन में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, संयुक्त करणी सेना संघ, संयुक्त क्षत्रिय संगठन संघ और संयुक्त सनातनी संगठन संघ सहित क्षत्रियों के कई संगठन शामिल हैं।

शक्ति प्रदर्शन के दौरान करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के सामने छह मांगे भी रखी हैं। उनका कहना है कि सपा सांसद रामजीलाल सुमन की संसदीय सदस्यता समाप्त हो। कानूनी कार्रवाई हो। क्षत्रिय युवाओं पर संबंधित मामले में लगे सभी मुकदमे तत्काल वापस किए जाएं। राष्ट्र महापुरुष वीर योद्धा राणा सांगा जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। गौतम बुद्ध नगर में निर्माणाधीन एयरपोर्ट का नाम राणा सांगा के नाम पर रखा जाए। महापुरुष राणा सांगा का गौरवशाली इतिहास सभी शैक्षणिक संस्थानों के पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए। इसके अलावा इतिहास विक्रतिकरण को रोकने के लिए एक कठोर कानून को बनाए जाने की मांग की है।

सपा के पदाधिकारी किए गए नजरबंद

सम्मेलन के चलते सपा नेताओं को नजरबंद किया गया। पिनाहट के भदरौली स्थित सपा कार्यालय पर पुलिस ने सुबह ही सपा जिला अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत दर्जनों कार्यकर्ता को अपने पहरे में ले लिया।

सम्मेलन स्थल के आसपास भारी पुलिस फोर्स तैनात

सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सम्मेलन स्थल के आसपास भी भारी फोर्स तैनात है। कार्यक्रम स्थल पर पुलिस, पीएसी और आरआरएफ को लगाया गया है। ड्रोन से नजर रखी जा रही है। कार्यक्रम स्थल से शहर तक आने वाले रास्ते पर हर दो किलोमीटर की दूरी पर फोर्स तैनात है। नौ कंपनी पीएसी, दो कंपनी आरआरएफ के अलावा चार डीसीपी, तीन एडीसीपी, 12 एसीपी 21 थाना प्रभारी, 40 इंस्पेक्टर, 300 दरोगा, 2500 सिपाही सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए हैं। शुक्रवार को ही पुलिस ने होटल, धर्मशाला और रेलवे स्टेशन भी खंगाल डाले थे। कार्यक्रम स्थल के चारों ओर पुलिस और पीएसी के जवान मुस्तैद हैं। कई बज्र वाहन तैनात किए हैं।

मंच पर चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की

गढ़ी रामी में करणी सेना के रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में अव्यवस्था भी देखने को मिली। मंच पर चढ़ने के लिए लोगों में धक्का-मुक्की हुई। मंच पर चढ़ने के लिए लोगों में होड़ रही।

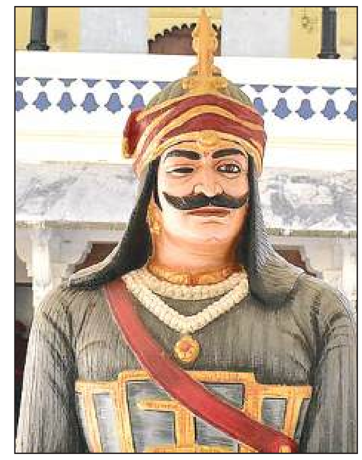

अखिलेश यादव को दी गोली मारने की धमकी

आगरा में करणी सेना की स्वाभिमान रैली के दौरान एक युवक का बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। युवक ने यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को गोली मारने की धमकी दी। उसने कहा कि भारत पूर्वजों का अपमान नहीं सहेगा।

गढ़ी रामी में रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोगों के आने का सिलसिला जारी है। लोग हथियार लहराते हुए आयोजनस्थल की ओर बढ़ रहे हैं। हाईवे पर कार की छत से इस तरह हथियारों को प्रदर्शन करते हुए युवा सम्मेलन स्थल पर पहुंचे। गढ़ी रामी में आयोजित करणी सेना के रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में शीला सुखदेव गोगामेड़ी भी पहुंची हैं। उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक भी सम्मेलन में शिरकत करने पहुंच हैं।

बीजेपी नेता हर्षवर्धन सिंह को किया हाउस अरेस्ट

राणा सांगा पर मचे विवाद के बीच लखनऊ में भी हलचल तेज है। सपा सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। लखनऊ पुलिस बीजेपी नेता के घर पहुंची। इसके बाद उन्हें हाउस अरेस्ट किया गया। सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान के विरोध में लखनऊ में भी प्रदर्शन की तैयारी थी। राणा सांगा जयंती पर भाजयुमो की ओर से प्रदर्शन का ऐलान किया गया था। ऐसे में भाजयुमो के प्रदेश सदस्य हर्षवर्धन सिंह पर कार्रवाई हुई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे सुमन, बोले- जान को खतरा

सपा के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने संसद में राजपूत राजा राणा सांगा पर टिप्पणी के बाद आगरा मेंघर पर हुए हमले को देखते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत से सुरक्षा का प्रदान करने का अनुरोध किया। याचिका में सांसद ने आगरा में अपने मकान पर करणी सेना संगठन के हमले की निष्पक्ष जांच कराने और इस हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई का भी अनुरोध किया है। इस याचिका पर जल्द सुनवाई किए जाने की संभावना है।

उर्सला अस्पताल में मेडिकल के लिए भटक रहे अमरनाथ यात्री

मेडिकल के लिए सामान्य मरीजों की लाइन में लगाकर किया जा रहा परेशान

» न कोई काउंटर न ही बनाई गई हेल्प डेस्क

» अमर नाथ यात्रा पर हर साल कानपुर से जाते हैं हजारों लोग

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। इस वर्ष 2025 की अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी और 9 अगस्त तक संपन्न होगी। यात्रा के लिए होने वाले स्वास्थ्य परीक्षण के लिए अस्पतालों की सूची जारी कर दी गई है। कानपुर के उर्सला अस्पताल में मेडिकल के लिए अमरनाथ यात्रा वाले यात्री पहुंच रहे हैं लेकिन यहां पर कोई इंतजाम नहीं हैं। इससे लोगों को मेडिकल के लिए भटकना पड रहा है।

कानपुर और आसपास के जिलों से हर साल हजारों लोग कश्मीर स्थित बाबा अमरनाथ बर्फानी की यात्रा में जाते हैं। इसकी तैयारियां जोरों से चल रही हैं। 14 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे, उसके पहले मेडिकल रिपोर्ट अनिवार्य है।

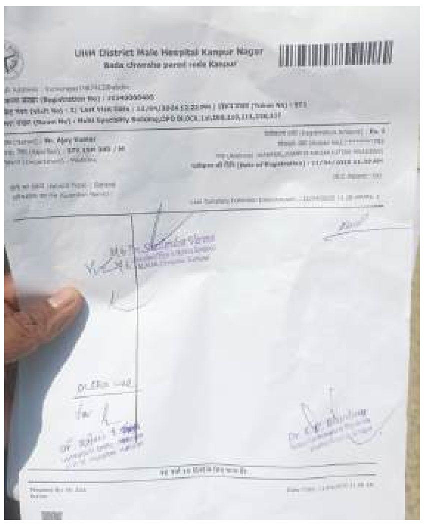
UHM District Male Hospital Kanpur Nagar

मेडिकल कराने के लिए पहुंचे

शिव परिवार सेवा समिति कानपुर से जुड़े धीरज कश्यप व विनायकपुर रिक्की, पिंटू, नवाबगंज के जीतू साहू आदि ने बताया कि वहां पर कोई व्यवस्था नहीं है। यात्री को कहां कैसे मेडिकल कराना है यह बताने वाला कोई नहीं है, न ही कोई हेल्प डेस्क जो कि अमरनाथ यात्रियों की मदद कर सके।

आम मरीजों की भीड में घुसकर ही मेडिकल के लिए परेशान होना पड रहा है, ऐसे में जानकारी के अभाव में कई यात्री आधे अधूरे मेडिकल लेकर चले जा रहे हैं। इससे उनको परेशान होना पड़ रहा है।

उर्सला जिला अस्पताल में मरीजों के बीच मेडिकल के लिए फंसे अमरनाथ यात्री

छावनी क्षेत्र में सड़कों के 'किनारे' हुए जानलेवा

कई जगह गड्ढों ने बढ़ाई मुश्किलें, राहगीर हो रहे चोटिल

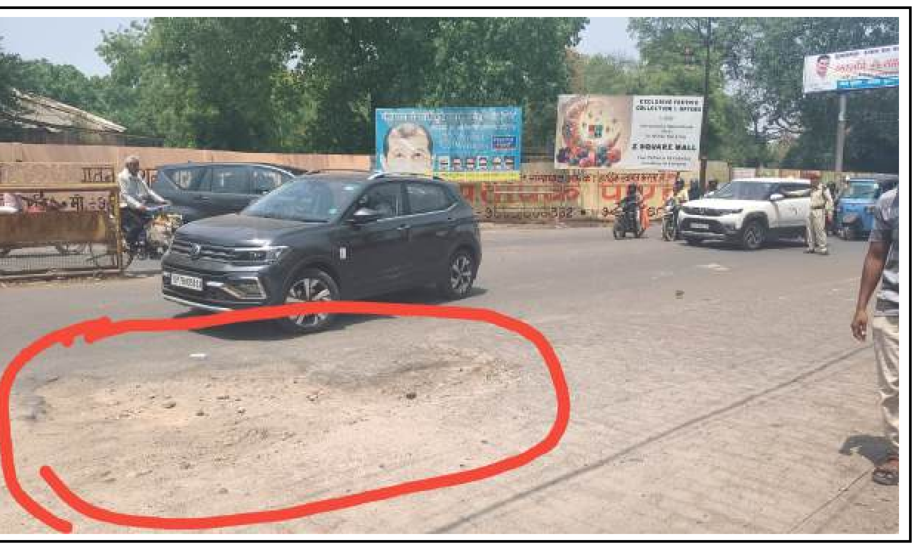

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । छावनी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोला घाट के पास पुल चढ़ने से ठीक पहले की सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों ने लोगों का राह चलना दूभर कर दिया है। सड़क की खस्ताहाल स्थिति के चलते दोपहिया वाहनों और ऑटो रिक्शा चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार राहगीर इन गड्ढों की वजह से गिरकर चोटिल हो चुके हैं, लेकिन अब तक संबंधित विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। खासकर स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं इस रास्ते से गुजरते समय खतरे में रहते हैं फ़ोटो में साफ़ देखा जा सकता है कि कैसे ट्रैफिक के बीच यह गड्ढा दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है। राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत की जाए ताकि हादसों को रोका जा सके और लोगों को राहत मिल सके।

जब इस ख़बर को लेकर छावनी बोर्ड के उपाध्यक्ष लाखन लाल से बात की गई तो उन्होंने इसे जल्द से जल्द मरम्मत कराने को कहा।

पाचन तंत्र को स्वास्थ्य रखने में कारगर है न्यूरोथेरेपी

अनियमित दिनचर्या और खानपान से मानव जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पाचन तंत्र एवं अन्य समस्याओं से जुड़े नए नए मरीज सामने आ रहे हैं। इसमें कई मरीजों को सही इलाज और दवा की जानकारी नहीं होने के कारण शारीरिक और आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पडता है। मुंबई के मशहूर डा. मिश्रा क्लीनिक के डाक्टर शिव मिश्रा के अनुसार.......

उपचार करते डॉक्टर शिव मिश्रा

मरीजों की काउंसलिंग करती डॉक्टर महिमा सिंह

न्यूरोथेरेपी (Neurotherap4) पाचन तंत्र की समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकती है। खासकर यदि समस्या तंत्रिका तंत्र से संबंधित हो. न्यूरोथेरेपी, जिसे न्यूरोफीडबैक भी कहा जाता है,

मस्तिष्क की तरंगों को नियंत्रित करने का एक तरीका है, जो विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे कि पाचन तंत्र की समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकता है.

कैसे स्वायत्त तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है ?

पाचन तंत्र स्वायत तंत्रिका तंत्र (Autonomous nervous system) द्वारा नियंत्रित होता है, जो शरीर के विभिन्न कार्यों, जैसे पाचन, को नियंत्रित करता है. न्यूरोथेरेपी स्वायत्त तंत्रिका तंत्र को संतुलित करके पाचन तंत्र की समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकती है.

न्यूरोथेरेपी मस्तिष्क और शरीर के बीच के संबंध को मजबूत करने में मदद करती है, जो पाचन तंत्र की समस्याओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करता है

न्यूरोथेरपिस्ट महिमा सिंह कहती है कि न्यूरोथेरेपी मस्तिष्क को उत्तेजित करके तंत्रिका तंत्र को बेहतर ढंग से काम करने में मदद कर सकती है, जो पाचन तंत्र की समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकता है. उदाहरण के लिए न्यूरोपैथी (Neuropath4)

यदि पाचन तंत्र की समस्या न्यूरोपैथी के कारण है, तो न्यूरोथेरेपी मदद कर सकती है. न्यूरोपैथी एक ऐसी स्थिति है जिसमें नसों को नुकसान होता है, जो पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकता है.

इरिटेबल बोवेल सिंड्रोम (IBS)

IBS एक ऐसी स्थिति है जो पाचन तंत्र को प्रभावित करती है, और न्यूरोथेरेपी इस स्थिति को ठीक करने में मदद कर सकती है.

Call : 9892235552 / 8422982241
Dr. Mishra's Clinic
ALTERNATIVE THERAPY HUB
Neurotherapy Clinic at Ahmedabad / Mumbai

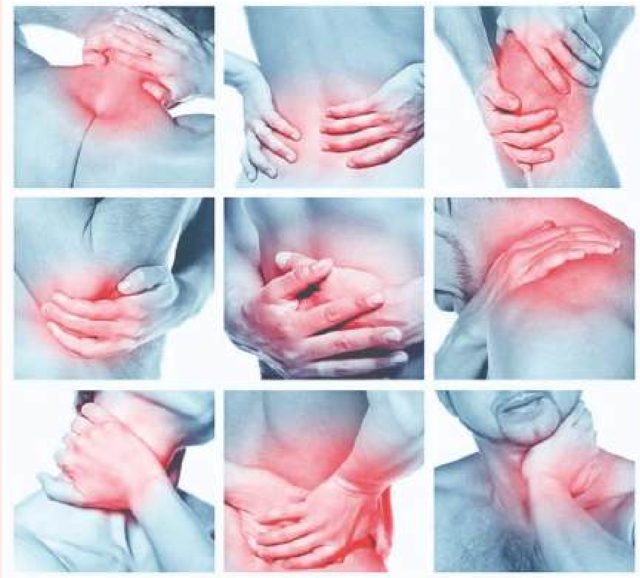

Joints Pain, Cervical Sypondilitis, Back Pain, Knee Pain, Frozen Shoulder, Tennis Elbow, Arthritis Etc.
Home Visit available for treatment.
Treatment by prior appointment only :
https://www.facebook.com/drshivtherapyhub - https:www.facebook.com/drmishrahealthcare

अन्य पाचन संबंधी समस्याए

न्यूरोथेरेपी अन्य पाचन संबंधी समस्याओं, जैसे कि कब्ज, दस्त, और पेट में दर्द को ठीक करने में भी मदद कर सकती है.

न्यूरोथेरेपी पाचन तंत्र की समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकती है,

खासकर यदि समस्या तंत्रिका तंत्र से संबंधित हो. यदि आप पाचन तंत्र की समस्याओं से जूझ रहे हैं, तो न्यूरोथेरेपी एक संभावित उपचार विकल्प हो सकता है.

पानी की समस्या पर जनता ने पूछा सवाल तो उखड़े विधायक मो. हसन रूमी

» प्रकरण में सपा विधायक और सपा कार्यकर्ताओं के बीच हंगामा हुआ

» कैंट विधानसभा क्षेत्र के फैथफुलगंज का मामला

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कैंट इलाके के फैथफुलगंज में पानी की समस्या को लेकर परेशान जनता ने जब विधायक मो. हसन रूमी को घेरा तो यहां पर विवाद खड़ा हो गया।

इस दौरान सपा कार्यकर्ता और विधायक के बीच झड़प हो गई. आरोप है कि विधायक के साथ चल रहे गनर ने एक कार्यकर्ता से अभद्रता और मारपीट की। हालांकि, विधायक ने इससे इनकार किया है. स्थानीय लोगों का कहना है कि फैथफुलगंज में कई वर्षों से पानी की समस्या है, जिसको लेकर उन्होंने विधायक मो. हसन रूमी को कहा था. यहां पर रहने वाले मो. सलीस का कहना है कि विधायक ने इसके लिए आश्वासन भी दिया था लेकिन अभी तक पेयजल लाइन के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए.।

शनिवार को जब विधायक मो. हसन रूमी यहां पर आए तो जनता ने उनसे इसको लेकर पूछ लिया. उनका कहना था कि दो साल हो गए, सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है लेकिन पानी की लाइन अभी तक नहीं डाली गई।

बातचीत के दौरान बहस काफी गरमागरम हो गई. इस दौरान सपा कार्यकर्ता धीरज यादव को विधायक पक्ष की तरफ से धक्का दे दिया गया, जिस पर सपा कार्यकर्ता के लोग भी भड़क गए। काफी देर तक हंगामा हुआ।

डीएम ने कहा 'अभिभावकों से अवैध वसूली संचारी रोग की भांति'

यदि पुस्तक विक्रेताओं द्वारा अभिभावकों से अधिक पैसा लेने के लिए यदि स्कूलों के साथ कोई सांठ - गाँठ की गई या स्कूलों के कहने पर किताबों की खरीद - फरोख्त की गई तो, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी

बुक सेलर्स ठगी करने वाले विद्यालयों के बारे में प्रशासन को बताएं ताकि उन पर कड़ी कार्रवाई की जा सके। उनकी व्यक्तिगत जानकारी गुप्त रखी जाएगी।

» पुस्तक विक्रेता निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ जनहित में कार्य करे, प्रशासन आपके साथ है

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज जनपदीय शुल्क नियामक समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के सबसे बड़े बुक सेलर्स के साथ संपन्न हुई।

बैठक में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त सूचनाओं के विषय में पुस्तक विक्रेता से सुझाव प्राप्त किए गए, इस विषय में उनका यह कहना था कि स्कूलों से उन्हें देरी से पुस्तकों की लिस्ट मिलती है,

उन्होंने यह अवगत कराया कि यदि स्कूलों द्वारा उन्हें समय से लिस्ट उपलब्ध करा दी जाए तो अभिभावकों की सुविधानुसार उनके द्वारा और भी बेहतर कार्य किया जा सकता है, सभी बुक सेलर्स ने कहा कि वे भी साफ-सुथरा कार्य करना चाहते हैं।

इस पर जिलाधिकारी ने समस्त बुक सेलर्स से अपेक्षा करते हुए कहा कि ऐसे किसी अन्य संस्थान स्कूल, के द्वारा किसी अवैध धनराशि का वाहक न बने, जिससे कि उनकी प्रतिष्ठा खराब हो, किसी अभिभावक का उनके द्वारा शोषण न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

यदि किसी बुक सेलर्स द्वारा स्कूल का वाहक बन किसी प्रकाशक या स्कूल को फायदा पहुंचाने जैसी क्रिया में संलिप्तता पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय द्वारा 31 दिसम्बर तक नवीन सत्र हेतु पाठ्यक्रम एवं शुल्क का निर्धारण कर वेवसाइट पर सार्वजनिक करें , जिन विद्यालयो द्वारा निर्धारित समय से पाठ्यक्रम एव शुल्क का निर्धारण नहीं किया जाता है।

उनके विरूद्ध उ0प्र0 स्ववित्त पोषित स्वतंत्र (शुल्क निर्धारण) अध्यादेश–2018 के बिन्दु संख्या 04 एवं 10 में उल्लिखित फीस का निर्धारण एवं किसी छात्र को पुस्तकें, जूते, मोजे व यूनिफार्म आदि किसी विशेष दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य नही किया जाने का उल्लंघन माना जाता है। जिसके अंतर्गत अर्थ दण्ड के साथ–साथ अन्य आवश्यक कार्यवाई कराना समिति के अधिकार क्षेत्र में आता है।

डीएम ने किए ये तीखे सवाल ?

आपकी दुकान में जिन पुस्तको का विक्रय किया जाता है उसकी सूचना किस माध्यम से आपको प्राप्त होती है?
विद्यालय द्वारा चयनित प्रकाशको की सूची आपको किस के माध्यम से प्राप्त होती है?
क्या आप द्वारा कॉपी-किताबो के विक्रय में अभिभावको को छूट प्रदान की जाती है ?
यह आप कैसे सुनिश्चित करते है कि किन-किन पुस्तकों का अपनी दुकान पर स्टॉक रखना है?

जिलाधिकारी द्वारा विद्यालयों और बुक सेलर्स के बीच के सांठ – गाँठ द्वारा की गई भ्रष्टाचार की तुलना संचारी रोगों से करते हुए यह कहा गया कि पुस्तक विक्रेता वेक्टर बोर्न डिजीज के वाहकों की भांति किसी स्कूल या प्रबंधक के द्वारा अभिभावकों से अवैध वसूली न करें। उन्होंने निर्देश दिए, वर्तमान सत्र 2025–26 में जितनी पुस्तके विक्रय की गयी है, उनके बिल बाउचर एवं पुस्तको पर जो छूट दी गयी है, उसके साक्ष्य उपलब्ध कराएं।

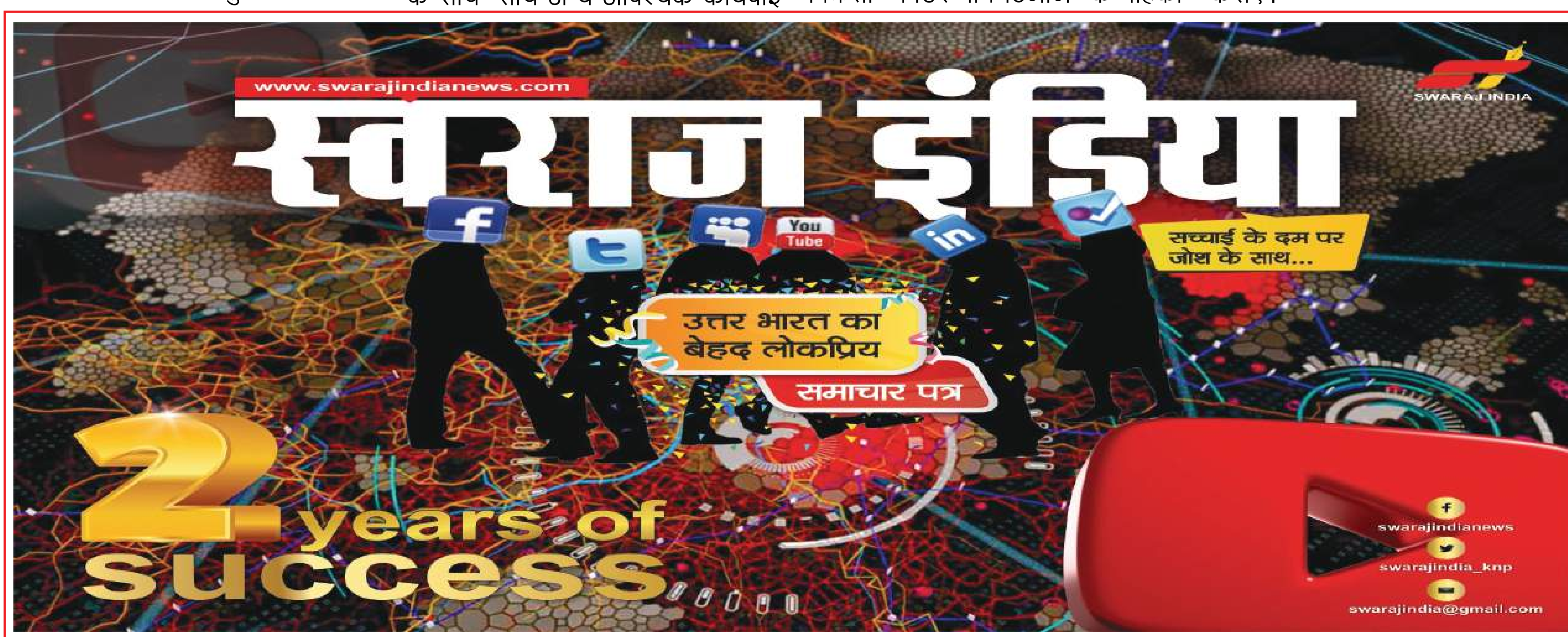

सम्पादकीय

हैडली को लाने की भी हो कोशिश

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की तहव्वुर राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां से यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। वे सारे कानूनी उपाय अपनाए गए जो राणा का प्रत्यर्पण रोक सकते थे। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि सोलह साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिली सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से तहव्वुर राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी।हालांकि, अब तक पाकिस्तान मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी तहव्वुर राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते।

अब ओबीसी पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति

वेद विलास

कांग्रेस अब महसूस कर रही है कि तमाम कोशिशों के बाद भी वह सपा व आरजेडी जैसे तमाम दलों से अल्पसंख्यकों के आधार को छीन नहीं पा रही है। ऐसे में कांग्रेस की रणनीति ओबीसी को साधने की है।कांग्रेस के गुजरात के अहमदाबाद में हुए 84वें अधिवेशन के संकेत स्पष्ट हैं। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के साथ जहां पार्टी को फिर से सशक्त करने के लिए मंथन हुआ, वहीं चुनावों में पार्टी को सफलता दिलाने हेतु रणनीतियों पर भी गहरी चर्चा हुई।

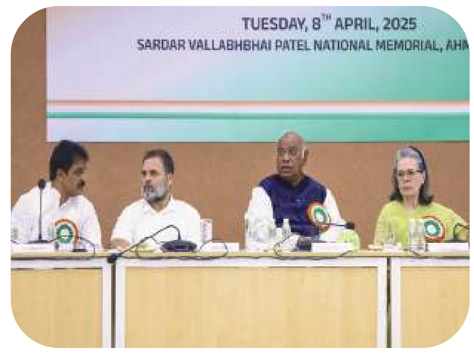

कांग्रेस के सामने लक्ष्य स्पष्ट हैं कि उसे अपने खोये जनाधार को पाने के लिए खासी मशक्कत करनी है। उसे जहां बीजेपी के सामने सबसे बड़ा विकल्प बना रहना है। वहीं उसे अपने जनाधार के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष उन दलों से भी करना है जो उसके साथ अभी इंडिया गठबंधन में खड़े दिखते हैं। ये सारा खेल उस सियासी समीकरण का है जिसमें कांग्रेस अपनी दमदार उपस्थिति दिखाने की जद्दोजहद में जुटी है। इसी दायरे में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस से ओबीसी के छिटकने की बात कही।

आजादी के बाद से कांग्रेस की सियासी रणनीति में उच्च जातियों, मुस्लिम और दलितों का ऐसा समीकरण रहा जिसका तोड़ विपक्ष के पास लंबे समय तक नहीं रहा। जनसंघ या तमाम समाजवादी दलों की सियासत मंचों पर तो मुखर रही लेकिन राजनीति के जोड़-घटाने में लगभग डेढ़ दशक तक ये पार्टियां लोकसभा या राज्यों के चुनाव में अंकों की तालिका में बस अपनी उपस्थिति ही जताती रहीं। साठ के दशक के अंत और सत्तर के दशक के शुरुआत में राजनीति के उथल पुथल के दौर में कई बदलाव देखने को मिले। कांग्रेस में खुलकर गुटबाजी और राजनीतिक पैंतरेबाजी देखने को मिली। हालांकि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कुशल नेतृत्व ने उस समय की स्थितियों को संभाल लिया। उनके नेतृत्व वाले धड़े को ही असली कांग्रेस के रूप में स्वीकार कर लिया गया। लेकिन कांग्रेस का जनाधार पहली बार यहीं से खिसकना शुरू हुआ था। इसी के चलते यूपी, बिहार जैसे राज्यों में विपक्ष की सरकारें बनीं। हालांकि, 71 के युद्ध के बाद इंदिरा गांधी के करिश्माई नेतृत्व से फिर से कांग्रेस को एक बड़ा आधार मिला। अगर 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए चुनाव परिणामों को छोड़ दें, तो उसके बाद कांग्रेस अपने जनाधार को वापस पाने के लिए लगातार जूझती रही है। 90 के दशक में कांग्रेस के लिए यह लड़ाई और कठिन हो गई। मंडल-कमंडल के बीच कांग्रेस का गलियारा छोटा हो गया। पूर्व पीएम वीपी सिंह ने ठंडे बस्ते में पड़ी मंडल आयोग की सिफारिश लागू की और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू हुआ। तब भविष्य की राजनीति की थाह न ले कांग्रेस ने इसका विरोध किया।

कांग्रेस ने अपनी सियासी रणनीतियों में जिन जातियों को फोकस किया उसमें पिछड़ी जातियां नहीं थीं। लेकिन फिर भी कांग्रेस के प्रभामंडल में पिछड़ी जातियों के वोट कांग्रेस को पड़ते रहे। उसके लिए इन जातियों को अपने साथ जोड़ने की पहल बहुत ज्यादा नहीं हुई। दूसरी तरफ इसी दौर में यूपी में सपा, बिहार में आरजेडी, ओडिशा में बीजू जनता दल, कर्नाटक में जनता दल यू जैसे दल उभरे और अपनी पृष्ठभूमि में सशक्त हुए। राजनीति की बयार को समझने वाले कांशीराम ने 1984 में बसपा को स्थापित किया तो उनके अपने लक्ष्य स्पष्ट थे। ज्यादा वक्त नहीं लगा। एक दशक से भी कम समय में यूपी में सपा-बसपा का एक मजबूत चक्रव्यूह तैयार हुआ।

संघीय कशमकश और तमिल राजनीति

उलट फेर

प्रमोद जोशी

पिछले कुछ महीनों में तमिलनाडु सरकार ने तीन भाषा सूत्र, चुनाव-क्षेत्र परिसीमन और नीट परीक्षा जैसे मसलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। तीनों मामलों के कारण राजनीतिक कोलाहल तो हुआ है, पर बुनियादी तौर पर कुछ हुआ नहीं है। यह सब अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा के चुनाव की पूर्व-पीठिका तैयार कर रहे हैं।तमिलनाडु विधानसभा से पास होने के बावजूद दस विधेयकों को रोक कर रखने के राज्यपाल आरएन रवि के फैसले को अवैध करार देते हुए उच्चतम न्यायालय ने एक संवैधानिक पेच को दुरुस्त ज़रूर किया है, पर इससे केंद्र-राज्य संबंधों और राज्यपालों की भूमिका से जुड़ी पहेलियों का हल पूरी तरह अब भी नहीं होगा। हाल के वर्षों में कुलपतियों की नियुक्ति, राज्य विधान परिषदों में नामांकन और राज्यपाल द्वारा पारंपरिक अभिभाषण के संपादन या सदन को बुलाने पर दुर्भाग्यपूर्ण रस्साकशी तो हुई ही है, विधानमंडलों से पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी या इनकार जैसे कार्य भी हुए हैं।

विधानमंडल से पास हुए विधेयकों को रोकने की शक्ति को लेकर 2023 में, पंजाब राज्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि राज्यपाल निर्वाचित विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर समयबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए बाध्य हैं। अदालत के इस बार के फैसले ने उस समयबद्धता को परिभाषित भी कर दिया है। इससे विधानमंडल से पास हुए विधेयकों के बारे में राज्यपालों का विशेषाधिकार सीमित हो गया है।

इस निर्णय का महत्व तमिलनाडु के राज्यपाल की निंदा से कहीं अधिक है। राज्यपाल अब जांच के बहाने कानून को अनिश्चितकाल तक विलंबित नहीं कर सकते। न्यायालय ने एक संवैधानिक सिद्धांत की पुष्टि की है कि राजभवनों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करना चाहिए। अब सिद्धांत यह बना है कि किसी विधेयक को जब विधानमंडल दुबारा राज्यपाल के पास भेजें, तब उसे स्वीकृति दे दी जानी चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल को 'शीघ्रता से काम करना चाहिए' और किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक रोककर वे 'पॉकेट वीटो' का इस्तेमाल नहीं कर सकते। अनुच्छेद 200 को अनुच्छेद 163 के साथ पढ़ा जाना चाहिए, जो राज्यपाल को कैबिनेट की सलाह पर काम करने के लिए बाध्य करता है। यदि कैबिनेट की सलाह के विपरीत राज्यपाल किसी विधेयक को मंजूरी नहीं देते हैं या उसे सुरक्षित रखते हैं, तो उन्हें ऐसा तीन महीने के भीतर करना होगा। दोबारा पारित विधेयकों के लिए समय-सीमा घटाकर एक महीना कर दी गई है।

राज्यपालों के मामले में भारत का अनुभव निराशाजनक रहा है। इस पद का दुरुपयोग लगभग सभी ताकतों ने अलग-अलग वक्त पर किया है। दिल्ली में जिसकी सरकार रही उसने राज्य सरकारों को बर्खास्त करने में राज्यपालों का सहारा लिया। दशकों से देश राज्यपालों की भूमिका को लेकर विमर्श कर रहा है, पर रास्ता अभी तक नहीं निकला है। हां, इतना जरूर हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के बोम्मई मामले में फैसले के बाद राज्यों में सरकारों की बर्खास्तगी का चलन खत्म हो गया और सरकारों के बनने-बिगड़ने का स्वीकृत सिद्धांत बन गया। इस बार के फैसले से राज्यों की प्रशासनिक स्वायत्तता बढ़ेगी और संवैधानिक पदों का कामकाज नियंत्रित होगा, जिसका प्रभाव पूरे देश पर पड़ेगा। यह न्यायिक-हस्तक्षेप ऐसे समय में हुआ है, जब गैर-भाजपा दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों और सरकारों के बीच तनाव चरम पर है। इस संवैधानिक सफलता का राजनीतिक श्रेय एमके स्टालिन की डीएमके सरकार को जाता है, पर वहीं मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 'नीट' से छूट हासिल करने में तमिलनाडु सरकार को मुंह की खानी पड़ी है।

इस मामले को लेकर भी वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटा चुके हैं, पर यह मामला उतना सरल नहीं है, जितना राज्यपालों के विशेषाधिकार का है। इस दौरान 'नीट' को लेकर कई तरह की शिकायतें सामने आई हैं।

गर्मी से राहत पाएं, तरबूज और पुदीने के साथ!

गर्मियों में खुद को तरोताजा और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए आप क्या पीते हैं? नारियल पानी, फलों का जूस, छाछ, नींबू पानी? ये सभी विकल्प न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। लेकिन इनका हर दिन सेवन करना थो?ा बोरिंग हो सकता है। तो क्या करें? तरबूज पुदीना कूलर पिएं।

तरबूज पुदीना कूलर को घर पर आसानी से सिर्फ 5 मिनट में बनाया जा सकता है। इसका स्वाद लाजवाब होता है और यह आपके शरीर को लंबे समय तक तरोताजा रखता है। सुबह, दोपहर या शाम को जब भी आपको अपनी ऊर्जा बढाने की जरूरत महसूस हो, आप इसका एक गिलास पी सकते हैं। तरबूज पुदीना कूलर बनाने के लिए आपको बस कुछ ताजा तरबूज, पुदीने की पत्तियां, नींबू का रस, और थोडा सा शहद चाहिए। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर आप एक स्वादिष्ट और ताजगीभरा पेय बना सकते हैं जो गर्मियों के मौसम में आपको तरोताजा रखेगा। तो अगली बार जब भी आपको गर्मी से राहत पाने के लिए एक ताजा पेय चाहिए, तो तरबूज पुदीना कूलर जरूर ट्राई करें।

तरबूज पुदीना कूलर बनाने के लिए क्या चाहिए? - 4 कप तरबूज के टुकडे (बिना बीज वाले)1/4 कप ताजा पुदीना पत्तियां,1/2 कप नींबू का रस, 1/2 कप शहद, नमक (वैकल्पिक), बर्फ के टुकडे

कैसे बनाएं तरबूज पुदीना कूलर?

1. तरबूज के टुकडों को ब्लेंडर में पीस लें और एक चिकनी प्यूरी बनाएं। 2. प्यूरी को एक महीन जाली वाली छलनी से छान लें ताकि अतिरिक्त गूदा निकल जाए। 3. एक बडे जग में, छनी हुई तरबूज की प्यूरी, ताजा पुदीना पत्तियां, नींबू का रस और शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें।

4. आपका ड्रिंक तैयार है, आप चाहें तो इसे सर्व करने से पहले 30 मिनट के लिए फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख सकते हैं या फिर इसमें बर्फ के टुकडे डालकर तुरंत पी सकते हैं। 5. तरबूज पुदीना कूलर के स्वाद को संतुलित करने के लिए आप इसमें थोडा नमक मिला सकते हैं।

तरबूज पुदीना कूलर बनाने के लिए आपको बस कुछ ताजा तरबूज, पुदीने की पत्तियां, नींबू का रस, और थोडा सा शहद चाहिए। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर आप एक स्वादिष्ट और ताजगीभरा पेय बना सकते हैं जो गर्मियों के मौसम में आपको तरोताजा रखेगा। आपको गर्मी से राहत पाने के लिए एक ताजा पेय चाहिए, तो तरबूज पुदीना कूलर जरूर ट्राई करें।

होंठों की देखभाल में कॉफी का जादू!

अगर आप चाहें तो कॉफी की मदद से लिप बाम बनाकर बेहद आसानी से उसका इस्तेमाल कर सकती हैं। यूं तो बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं, लेकिन कई बार उनमें केमिकल्स ?्यादा होते हैं या वो फिर वे आपके होंठों पर सूट नहीं करते और आपको इचिंग या जलन का अहसास होता है।

अगर आपको कॉफी की खुशबू बहुत पसंद है और आप उसे अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाते हैं तो अब आप कॉफी को अपने ब्यूटी रूटीन में भी शामिल करें।

जी हां, कॉफी की मदद से कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स खुद घर पर ही बनाए जा सकते हैं। यह सिर्फ सुबह की नींद भगाने के लिए नहीं है, बल्कि ये आपकी स्किन, खासतौर से आपके होंठों के लिए बेहद फायदेमंद है। कॉफी आपके होंठों की डेड स्किन को धीरे से हटाती है, ब्लड सर्कुलेशन ब?ाती है, और इससे एक हल्का नेचुरल टिंट भी मिलता है।

अगर आपको कॉ?ी की खुशबू बहुत पसंद है और आप उसे अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाते हैं तो अब आप कॉफी को अपने ब्यूटी रूटीन में भी शामिल करें। जी हां, कॉफी की मदद से कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स खुद घर पर ही बनाए जा सकते हैं।

आवश्यक सामग्री

चम्मच नारियल का तेल, चम्मच बीवैक्स आधा चम्मच पिसी हुई कॉफी, विटामिन ई तेल की कुछ बूंदे, इसे कैसे बनाएं सबसे पहले नारियल तेल और बीवैक्स को डबल बॉयलर या माइक्रोवेव में थो?ी-थो?ी देर में पिघलाएं। अब इसमें कॉफी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद, इसमें विटामिन ई तेल मिलाएं।

तैयार लिप बाम को एक छोटे कंटेनर में डालें और इसे ठंडा होकर जमने दें।

कॉफी और शहद लिप बाम

यह लिप बाम फटे होंठों को ठीक करने में मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, शहद एक एंटी-बैक्टीरियल है और घाव भरने में मदद करता है। वहीं, कॉफी धीरे से एक्सफोलिएट करती है। जबकि जैतून का तेल स्किन को पोषण देता है।

आवश्यक सामग्री

1 चम्मच जैतून का तेल, आधा चम्मच शहद, आधा चम्मच बीवैक्स, आधा चम्मच इंस्टेंट कॉफी पाउडर या पिसी हुई कॉफी,

इसे कैसे बनाएं

बीवैक्स और जैतून के तेल को एक साथ पिघलाएं। अब इसमें शहद और कॉफी पाउडर को मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिलाएं और एक कंटेनर में डालकर जमने दें।

महिलाओं को देखकर सीटी बजाने वाला मनचला गिरफ्तार

गांव वालों की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया था केस

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रास्ते में आने जाने वाली महिलाओं को देखकर सीटी बजाने तथा अश्लील गाना गाने वाले मनचले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मालूम हो कि रहीमपुर-करीमपुर गांववासियों ने बिल्हौर पुलिस से शिकायत की थी कि गांव का एक युवक रास्ते में आने जाने वाली महिलाओं को देखकर सीटी बजाता है व अश्लील गाने गाता है। पुलिस शिकायत पर केस दर्ज कर मनचले युवक की तलाश में जुट गई थी। शुक्रवार को पुलिस व एंटी रोमियो की टीम ने आरोपित युवक शुभम पुत्र मंगत निवासी रहीमपुर करीमपुर को गांव के ही प्राथमिक स्कूल के पास से गिरफ्तार कर लिया। और थाने ले जाकर कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया।

गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शुभम देशवाल,महिला उपनिरिक्षक रितु, हेड कांस्टेबल धर्मवीर सिंह आदि थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर 2100 दीपों से होगी महाआरती

101 हनुमान पताका लेकर भक्त पदयात्रा में होंगे शामिल

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। कमला टावर स्थित श्री सालासर बालाजी मंदिर से हनुमान जन्मोत्सव पर शनिवार को ध्वजा पदयात्रा निकलेगी। श्री सालासर बालाजी मंडल के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि पदयात्रा में 101 महिलाएं व भक्त बालाजी महाराज की पताकाएं लेकर चलेंगे। देररात 12 बजे 2100 दीपों से महाआरती होगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर ध्वजा पदयात्रा में पांच झांकियां भी शामिल होंगी। हनुमान पताका दिखाकर सांसद रमेश अवस्थी पदयात्रा का शुभारंभ करेंगे। ध्वजा पदयात्रा श्री सालासर मंदिर से होते हुए काहूकोठी, जनरलगंज, बादशाहीनाका, हालसी रोड, धनकुट्टी, शक्कर पट्टी, नयागंज, बिरहाना रोड, गीता मंदिर फीलखाना होते हुए मंदिर में पूर्ण विश्राम लेगी। इसके बाद रात आठ बजे से संगीतमय सुंदरकांड का पाठ का आयोजन होगा।

अगले दिन रविवार को फूलबाग स्थित नानाराव पार्क में सुबह विराट पार्थिव शिवलिंग का निर्माण होगा। आचार्य रविशंकर महाराज रुद्राभिषेक कराएंगे। दोपहर में श्री सालासर बालाजी भक्त मंडल, कानपुर दक्षिण की ओर से सुंदरकांड पाठ व शाम को मनमोहक भजनों के कार्यक्रम होंगे। देररात 2100 दीपों से महाआरती होती। प्रेसवार्ता में आनंद मोदी, मदन लखोटिया, पंकज चौधरी, राकेश लखोटिया, ज्ञानेंद्र विश्नोई, शिवदत्त पांडेय, राजेंद्र अग्रवाल, नवीन आदि रहे।

बालाजी मंदिर में हुआ रात्रि जागरण

हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को नेहरूनगर बालाजी मंदिर (बालाजी चौक) में सेवा दल समिति की ओर से रात्रि जागरण शुरू हुआ।

समिति के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि बजरंगबली का विधिविधान से पूजन, भोग व आरती उतारी गई। इसके बाद भजनों, हनुमान चालीसा और संगीतमय सुंदरकांड की चौपाई पाठ हुआ। शनिवार को हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य आयोजन होंगे। इस मौके पर महामंत्री अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक प्रमोद पांडेय, जितेंद्र तिवारी, सौरभ तिवारी आदि रहे।

कौड़ियों के भाव में भी नहीं मिले टमाटर के खरीदार

शंकर सिंह/स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। कुछ महीने नहीं बल्कि कुछ दिन बाद ही टमाटर 30, 40या 50 रुपये किलो बिकेगा,लेकिन अभी तीन और चार रुपये किलो के भाव में भी खरीददार नहीं मिल रहे हैं।खेत से टमाटर तुड़वाने और मंडी ले जाने का खर्चा तक मौजूदा कीमतों से अधिक है,कुल लागत के हिसाब की बात तो और लंबी है। टमाटर की फसल करने वाले किसान प्रगति सील राहुल सिंह ये बातें कहते हुए रुक जाते हैं। खेत के किनारे खड़े पेड़ एक हाथ में टमाटर लेकर दिखाते हैं और एक हाथ से अपने चेहरे का पसीना पोंछते हुए कहते है कि कीमतों से परेशान होकर हमने अपनी मेहनत से उगाई फसल पर ट्रैक्टर चलवा देगे। प्रगति सील किसान राहुल सिंह बताते है कि कभी एक बीघा खेत के टमाटर एक लाख रुपये तक में बिक जाते थे, लेकिन इस बार एक बीघा फसल पांच हजार रुपये तक में नहीं बिक रहे हैं।

» प्रगतिशील किसान परेशान, दिल में अरमां आसूंओं में बहे गए.

» किसान ट्रैक्टर से फसल उजाड़ने को मजबूर

खेत में बिखरा पड़ा टमाटर लेने वाला कोई नहीं

मलासा क्षेत्र में रहने वाले प्रगतिशील किसान राहुल सिंह उन किसानों में हैं, जिन्होंने भाव न मिलने पर अपनी टमाटर की फसल पर ट्रैक्टर चलाना मजबूर होगे। राहुल सिंह ने अपने 4बीघा खेत में टमाटर की फसल की थी।एक बीघा में 10,हजार तक लागत आई थी। आठ बीघा खेत में लगभग 1 लाख रुपये खर्च किये थे। फसल बहुत अच्छी हुई लेकिन भाव उम्मीद से कहीं ज्यादा नीचे चले गए। बाजार में 10 रुपये के तीन किलो टमाटर माइक लगाकर फुटकर में बेचे गए। थोक में कीमत 2 रुपये भी मिलना मुश्किल हो गया। खेत से थोक में फ्री में टमाटर ले जाने वाले खरीदार तक नहीं मिले। खुद खेत से मंडी तक ले जाने का खर्चा और

टमाटर की पैदावार इस बार इतनी ज्यादा हुई है किसान अब तोड़ नहीं रहे

मुश्किल पैदा कर देता, इस लिए राहुल सिंह ने आठ बीघा तैयार फसल को ट्रैक्टर चलाकर रौंद देगे।

एक लाख रुपये प्रति बीघा तक बिकते थे टमाटर

टमाटर की गिरी कीमतों का शिकार राहुल सिंह ही नहीं जिन्होंने अपनी उगाई फसल को खुद ही किया है। किसान बताते हैं कि क्षेत्र के अधिकतर टमाटर किसानों का बुरा हाल हैं। किसानों ने औने पौने दामों में फसल लुटा दी या फिर निराश होकर खेत में ट्रैक्टर चला देगे इन किसानों का कहना है कि कीमतें नियंत्रित करने के लिए सरकार को जरूरी कदम उठाने चाहिए, ताकि फिर ऐसा न हो।

खेतों में लगे टमाटर के ढेर

स्वराज इंडिया संवाददाता को बयां किया अपना दर्द.......

प्रगति शील किसान राहुल सिंह ने बताया है कि हमको अभी तक सरकारी तंत्र से कोई लाभ नहीं मिला। सरकार तो लगातार अफसरों को ओर किसानो के लिए तत्पर है। लेकिन कुछ नहीं है कहने ओर करने में बहुत अंतर है। अफसर गर्मी में अपने ऑफिस से निकलना नहीं चाहते हैं। प्रगति सील किसान राहुल को एक भरी समस्या से जूझ रहे हैं। इनकी मांग ये है कि जहां पे ये अपनी सब्जी का कार्य करते हैं वहां तक पहुंचने के लिए इनके पास कच्ची सड़क है। बरसात के गर्मी के मौसम पर इनको भारी दिक्कत मसूस करते हैं। इनकी एक अफसरों से मांग है इनके लिए दुरुस्त कराया जाए। सबसे अहम बात ये है कि इनके मॉल के लिए गाड़िया तक इनके दरबार तक नहीं पहुंच पाती है। अफसर अगर प्रगति सील किसान की समस्या सुने होते तो ये निराश न होते। विकास खंड मलासा गांव के मूल निवासी हैं। इनके पिता का नाम सत्तन सिंह है और किसान राहुल सिंह की इनकी पढ़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने अपने जीवन में एक लक्ष्य था। आत्म निर्भर और उन्होंने अपने जीवन काल में किसानी का सिस्टम देखा और किया।आज ये किसानी में 10 साल से ज्यादा क्षेत्र पर खेती कर रहे हैं। तरबूज और खीरा और टमाटर, आदि का फसल का कार्य करते है।

एआरपी चयन में अनियमितता के लग रहे आरोप

» शिक्षकों ने परीक्षा रद्द करने की मांग

एआरपी चयन प्रक्रिया पर शिक्षक संगठनों ने उठाए सवाल, लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। परिषदीय स्कूलों के श्रेष्ठ शिक्षकों को एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) के रूप में चयनित करने की प्रक्रिया गतिमान है। प्रत्येक ब्लाक में पांच-पांच एआरपी का चयन किया जाना है। अब बीते तीन वर्षों या उससे अधिक समय से इस पद पर जमे शिक्षकों को हटाकर नए अध्यापकों को अवसर दिया जा रहा है। फिलहाल अब हर वर्ष इनके कार्यों का मूल्यांकन कर ही कार्यकाल को बढ़ाया जाएगा। प्रत्येक एआरपी को 10-10 विद्यालयों को निपुण बनाना होगा। वहीं दूसरी ओर जनपद के विभिन्न शिक्षक संगठन एआरपी परीक्षा में धांधली का आरोप लगा रहे हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ, जूनियर शिक्षक संघ, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बाद यूटा संगठन ने जिलाधिकारी से एआरपी परीक्षा को निरस्त करने की मांग की है। यूटा के जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह ने बताया गया कि जिन शिक्षक साथियों ने एआरपी की परीक्षा नहीं दी थी उन्हें भी बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की श्रेणी में रखा गया एवं शासन के आदेश के अनुसार एआरपी परीक्षा में वीडियोग्राफी होना अनिवार्य है जैसा कि जनपद झांसी, मैनपुरी में वीडियो ग्राफी न होने के कारण डीएम द्वारा एआरपी परीक्षा को निरस्त कर दिया गया है। यूटा संगठन ने जिलाधिकारी से परीक्षा में बड़े पैमाने पर हुई धांधली की शिकायत करते हुए पुनः परीक्षा कराने की मांग की है। इस संबंध में बीएसए अजय कुमार मिश्र ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह से पारदर्शी हुई है। किसी भी स्तर पर कोई गड़बड़ी नही हुई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उ़प्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उ़प्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अमृत सरोवरों में उड़ रही धूल

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती। अप्रैल से ही गर्मी अपनी चरम सीमा पर दिख रही है। उसके साथ साथ चिलचिलाती धूप से जनजीवन त्रस्त हो गया है। पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए तालाब पोखरे सब सूख गए है। मवेशी बूंद बूंद पानी के लिए इधर उधर भटक रहे है।

सरवनखेडा ब्लाक क्षेत्र में सरकार द्वारा बनाए गए लाखों रुपए खर्च कर अमृत सरोवर तालाबों में एक बूंद पानी नजर नही आ रहा है। अपनी हलक की प्यास बुझाने के लिए बेजुबान पानी के लिए इधर उधर घूम रहे है। सरवन खेड़ा ब्लॉक क्षेत्र में लगभग ग्राम पंचायत में बने अमृत सरोवर तालाब हो या आदर्श तालाबों में पानी नही दिख रहा है। कहीं किसी गांव में तालाब की तलहटी में थोड़ा बहुत पानी है , भी तो वह नाकाफी है।

» आग उगल रही गर्मी से बेजुबानों को पानी तलाशना पड़ रहा है।

» गर्मी अपनी चरम सीमा पर है। पशु पक्षियों को अपनी प्यास बुझाने के लिए कोसों दूर रास्ता तय करना पड़ रहा है।

» आखिरकार ग्राम प्रधान व सचिवों की लापरवाही इन बेजुबानों पर भारी पड़ रहा है,

पशु पक्षी अपनी प्यास बुझाने के लिए कोसों दूर सफर करते हैं ,आखिरकार हर गांव में मनरेगा के तहत भारी भरकम राशि खर्च करके तालाबो की खुदाई की गई, यहां तक कि कुछ गांवों के तालाबो को चिन्हित करके अमृत सरोवर के रूप में महिमा मंडित किया गया। लेकिन अमृत की बात छोड़िए सरोवर में एक बूंद पानी भी देखने को नसीब नही हो रहा। मनरेगा के तहत तालाबो पर भारी भरकम राशि इसलिए खर्च की जा रही कि जल संरक्षण के साथ–साथ पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में मुख्य भूमिका निभाने वाले निरीह पशु पक्षी पानी पी सके, लेकिन सब हवा हवाई ही साबित हो रहा है।

दोपहर के समय सड़के सूनी नजर आने लगी है तापमान करीब 39 डिग्री के पार पहुंचा है ऐसे में हलक सूखना लाजमी है, आदमी अपनी सुविधा अनुसार खुद की व्यवस्था कर ले रहा लेकिन पशु पक्षियों के पास न तो वाटर कूलर है न ही हैंड पंप, उन्हे तो तालाबों और पोखरों का ही सहारा है जिन्हे साफ सफाई के नाम पर ऐसा बर्बाद कर दिया गया की बारिश का समय समाप्त होने के महज तीन चार माह बाद ही, तालाबों के पानी सूख जाते है। अभी तक इन सूखे पड़े तालाबों में पानी भराने के लिए शासन स्तर से शायद कोई व्यवस्था नहीं की गई है, अन्यथा सूखे पड़े तालाबों के घाटों पर पक्षियों की चहचहाहट जरूर सुनाई पड़ती। विकास खंड सरवनखेडा के गजनेर , जिठरौली , मोहाना, गुईनी, निनाया, कौसम , कटेठी , भदेशा, आदि ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर व आदर्श तालाबों में एक बूंद पानी देखने को नही मिला, तालाब में छुट्टा और पालतू जानवर जरूर देखने को मिले शायद पानी की तलास में घूम रहे रहे थे , यह कहा जा सकता है की यदि सूखे तालाबों को भरने की व्यवस्था नही की गई तब आने वाले दिनों में पशु पक्षियों के जीवन पर गहरा संकट खड़ा हो सकता है।

आशीष चौहान समाजसेवी

आदित्य शुक्ला अधिवक्ता

अमन सिंह उपाध्यक्ष युवा मोर्चा गजनेर

जिम्मेदार अधिकारियों के लिए बड़ा प्रश्न ?

जब उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अमृत सरोवर तालाबों व आदर्श तालाबों के प्रति लाखों रुपए का बजट देकर हर ग्राम पंचायत में निर्माण करवाया है। जिससे जल संचय हो सके और पशु पक्षियों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े, लेकिन अप्रैल महीना में ही पर 39 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है आगे और क्या होगा पर जिम्मेदारों की तरफ से अभी तक तालाब के प्रति संजीदगी कि नहीं दिख रही है, यहां पर तो अमृत सरोवर तालाब दूसरों की क्या प्यास बुझायेंगे वह खुद प्यार से तड़प रहे हैं, दोपहर को तालाब के अंदर धूल उड़ती नजर आ रही है।

डीएम और पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में हुआ थाना दिवस

संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली में जिला जिलाधिकारी आलोक सिंह पुलिस अधीक्षक बी बी जी टी एस मूर्ति की अध्यक्षता में हुआ थाना दिवस का आयोजन हुआ। जिलाधिकारी आलोक सिंह पुलिस अधीक्षक बी बी जी टी एस मूर्ति सदर एसडीएम अवनीश कुमार सिंह ने फरियादियों की शिकायतें सुनी। जिसमे कुल 7 शिकायत आई जिसको 2शिकायतो को निस्तारण किया गया । समाधान दिवस पर शिकायतों की जांच कार्यवाही के निर्देश दिए।

प्रेम में डूबे नाबालिक युगल ने छोड़ी दुनियां

» अलग अलग जगहों पर फंदे पर लटके मिले दोनों के शव

» कानपुर देहात में आए दिन हो रही ऐसी घटनाएं

» क्षेत्राधिकारी ने घटनास्थल का लिया जायजा, पुलिस जांच में जुटी

मृतक किशोर

मृतका किशोरी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रेम प्रसंग से जुड़ी घटनाएं लगातार भयावह रूप लेती जा रही हैं। आए दिन अब मीडिया के माध्यम से आप लोगो को देखने और पढ़ने को मिल रही है। कही न कही इस घटनाएं में कुछ माता पिता का का रोल होता है। क्यों कि आपके बच्चे घर से स्कूल के लिए कह कर निकलते हैं तो क्या ये स्कूल जा रहे हैं कि नहीं आज के दौड में उसमें ये कोई देखने वाला है। बच्चे के पास आज कल बड़े स्मार्ट फोन भी घर से दे दिए जाते हैं। आज के दुनिया में सबसे ज्यादा बड़ी बीमारी फोन बन चुकी है।पल पल की प्रेमिका के मैसेज ओर तरह तरह की फोटो ओर अपडेट मिल रही है। जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन कम स्मार्टफोन में दिमाग ज्यादा लग रहा है।शुक्रवार दोपहर प्रेम प्रसंग के चलते एक प्रेमी युगल ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।दोनों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में गांव में अलग अलग जगहों पर पेड़ से लटके मिले।

घटना की जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया।सूचना पर पुलिस व फोरेंसिक टीम ने मौके पर जांच पड़ताल की।शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।मामला कानपुर देहात के बरौर थाना क्षेत्र का है।यहां पर टुटुईचांद गांव में शुक्रवार दोपहर एक प्रेमी जोड़े ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान प्रियांशी पुत्री तारबाबू उम्र करीब 16 वर्ष तथा बिपिन पुत्र महेशचंद्र उम्र करीब 18 वर्ष के रूप में की गई।प्रियांशी का शव घर के पीछे बेरी के पेड़ से वहीं विपिन का शव जामुन के पेड़ से लटका मिला।घटना से इलाके में सनसनी फ़ैल गई।घटना की जानकारी होते ही मृतकों के परिजन तथा ग्रामीणों की भींड मौके पर एकत्र हो गई।घटना की सूचना थाना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने घटना के संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत कराया।सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी देवेंद्र सिंह,प्रभारी निरीक्षक हरिओम प्रकाश त्रिपाठी ने फोरेंसिक टीम तथा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर परिजनों तथा ग्रामीणों से घटना के बाबत जानकारी जुटाई।फोरेंसिक टीम द्वारा साक्ष्य संकलन के पश्चात मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था।प्रभारी निरीक्षक हरिओम प्रकाश त्रिपाठी का कहना है कि प्राथमिक छानबीन में प्रेम प्रसंग में आपसी चलते आत्महत्या की बात सामने आई है।शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।अभी तक किसी पक्ष से कोई तहरीर नहीं मिली है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

रसूलाबाद में दिनदहाड़े घर में घुसकर युवती को मारी गोली

» युवती की हालत गंभीर कानपुर रेफर

» मौके पर पहुंचे अफसर जांच में जुटे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना के रतनपुर खास गांव आया है जहां समय लगभग एक बजे एक ताजी घटना सामने आई है। शनिवार दोपहर एक युवती को दिनदहाड़े घर में घुसकर गोली मारकर जान से मारने का प्रयास किया गया।घटना की जानकारी होने पर इलाके में सनसनी फ़ैल गई।युवती को उपचार के लिए पहले रसूलाबाद सीएचसी लाया गया।जहां पर मौजूद डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए सीधे कानपुर के एलएलआर हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।फिलहाल युवती की हालत स्थित बताई जा रही है।परिजनों ने एक युवक पर आरोप लगाया है।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।मामला कानपुर देहात के रसूलाबाद थाना क्षेत्र के रतनपुर खास गांव का है।यहां पर शनिवार दोपहर करीब एक बजे रघुवीर सिंह की 22 वर्षीय पुत्री

दिव्या सिंह को अज्ञात कारणों से घर में घुसकर गोली मार दी गई।जिसके चलते दिव्या गंभीर रूप से घायल हो गई।इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर इलाके में सनसनी फ़ैल गई।युवती के परिजन आनन फानन में उसे उपचार के लिए लेकर रसूलाबाद सीएचसी पहुंचे।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे एलएलआर कानपुर हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।जहां पर उसका उपचार जारी है।परिजनों ने मोहित सिंह पर गोली मारने का आरोप लगाया है।दिनदहाड़े हुई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के हांथ पांव फूल गए।पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया।पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।यह घटना इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

घाघरा नदी के प्रभाव से बचाने के लिए डीएम ने तेज किए प्रयास

» डीएम ने बाढ़ प्रभावित इलाके का किया निरीक्षण, जल्द कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

» रामनगर के चहलारी घाट गनेशपुर , सूरतगंज के हेतमापुर,बेलहरी, सरसंडा गांव में चल रहे अनुरक्षण कार्य को बारीकी देखा

संवाददाता स्वराज इंडिया

बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सरजू (घाघरा) नदी के तट पर स्थित चहलारी घाट गनेशपुर तटबंध के ग्राम कुसौरा तहसील रामनगर के पास चलित बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यो की परियोजनाओं का निरीक्षण अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह और उपजिलाधिकारी रामनगर पवन कुमार तथा अधिशासी अभियंता बाढ़ कार्य खंड के साथ किया। उक्त स्थल पर वर्तमान में तीन बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यो की परियोजनाएं है। जिसके अंतर्गत कुल चार अदद स्पर निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। जिसने एक अदद रिवेटमेंट और परक्यूपाईन लगाने का कार्य चल रहा है। जिलाधिकारी ने उक्त परियोजनाओं में कार्य स्थल पर चल रहे कार्यों की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर इन निर्माणधीन स्परों एवं रिवेटमेंट के कार्यो को गुणवत्तापूवर्क एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

हेतमापुर के बेलहरी सरसंडा गांव में चल रहे अनुरक्षण कार्य देखा

जिलाधिकारी ने रामनगर तहसील के हेतमापुर बेलहरी सरसंडा गांव पहुँचे। जहां पर चल रहे अनुरक्षण कार्य का जायजा लिया। सम्बंधित अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में ग्राम बबुरी, सरसंडा एवं केदारीपुर के सम्मुख 900 मीटर की लंबाई में नदी की गहराई तक एच0 डी0 पी0 ई0 बैग में स्थानीय बालू मिट्टी भरकर मशीन द्वारा सिलाई करके नायलॉन क्रेट में डालकर प्लेटफार्म बनाते हुए 60 मीटर सी/सी की दूरी पर जियो बैग गैबियान में भरकर 16 अदद जियो बैग स्टड का निर्माण व इनके मध्य तीन रो में परक्यूपाईन लगाने का कार्य चल रहा है। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों से उक्त कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बाढ़ खंड अधिकारी से कई जानकारियां हासिल कर दिशानिर्देश दिए है। ताकि बाढ आने से पहले शेष बचे गांवो को कटान से सुरक्षित किया जा सके। साथ ही बतनेरा पंचायत में बन रहे बाढ़ केंद्र का निरीक्षण करते हुए ठेकेदार से जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करके हैंडोवर करने को निर्देशित किया। इसके आलावा काटन पीड़ित बाढ़ पीड़ित परिवारों से मिलकर हाल चाल जाना एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ क्षेत्र में किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। बाढ़ आने से पूर्व ही सभी तैयारियां पूर्ण होनी चाहिए राहत बचाव कार्य के लिए पहले से तैयारी संबंधित अधिकारियों को करने को निर्देशित किया।

तटबंध पर बने बाढ़ केंद्र भवन क ा किया निरीक्षण

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सरजू नदी (घाघरा) तटबंध सुंदरनगर गांव के पास हेतमापुर रोड पर निर्माणाधीन बाढ़ केंद्र भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने सम्बंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि शीघ्रता के साथ कार्य पूर्ण कर भवन को हैंडओवर किया जाए।

विस्थापित परिवारों के निर्माणाधीन मकानों को भी देखा

जिलाधिकारी ने बाढ़ में विस्थापित परिवारों के तटबंध से कुछ दूर स्थित गोड़ा नामक स्थान पर बन रहे मकानों को देखा और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। बिजली की समस्या दूर करने के लिये जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बाढ़ से प्रभावित होने के कारण उक्त परिवारों को यहां पर भूमि देकर विस्थापित किया गया था। साथ ही ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। इस अवसर पर एडीएम , सूरतगंज खंड विकास अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह सप्लाई इंस्पेक्टर लेखपाल कानूनगो सहित आला अधिकारी व ग्रामीण , प्रधान प्रतिनिधि बतनेरा अमरीश अवस्थी समाजसेवी बसंत मिश्रा एवं सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी पहुंचे बाराबंकी

खसपरिया ग्राम से गांव चलो अभियान किया शुभारम्भ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। आपने एक दिवसीय प्रवास पर बाराबंकी पहुंचे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने जिले के बंकी ब्लाक अंतर्गत खसपरिया गांव से गांव चलो अभियान की शुरुआत की एवं ग्राम पंचायत के लाभर्थियों से संवाद कर केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध मे लाभर्थियों से चर्चा किया द्व प्रदेश अध्यक्ष को आपने बीच पाकर बीजेपी कार्यकर्ता काफी उताहित दिखे । प्रदेश अध्यक्ष के जनपद प्रवास के कार्यक्रम में पूर्व सांसद उपेंद्र रावत,जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत सहित तमाम पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद रहे ।

पत्रकार वार्ता के दौरान समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा की बाबा साहेब अंबेडकर जी के बारे में सपा और आजम खान किस तरह का बयान देते थे ये आप–सब जान रहे हो, कन्नौज मे बाबा साहेब के नाम पर बने मेडिकल कालेज का नाम बदलने के साथ ही जिलों मे दलित समुदाय के महापुरुषों की पहचन मिटाने का काम सदैव समाजवादी पार्टी ने किया द्व उन्होंने ने कहा की आज जिस तरह का काम ये लोग कर रहे हैं ये इनका राजनैतिक एजेंडे के ऊपर काम कर रहे हैं। सनातन विरोधी बयानों से ही पता चलता है की ये किस तरह की पार्टी है द्व सपा के पीडीए पर तंज कसते हुव बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा की हमारे मूल मे 140 करोड़ लोग है और हम सबको साथ लेकर आगे बढ़ रहे है और मंच पर इसारा करते हुए कहा की हमार पीडीए यही है

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे में खराब ट्रक में पीछे से टकराया दूसरा ट्रक ,चालक की मौत

» बांदा से मौरंग लादकर अयोध्या जा रहा था ट्रक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हैदरगढ़ (बारांबकी)। सुबेहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेस वे गेरावा गांव के समीप 58 प्वाइंट पर बांदा से मौरंग लादकर अयोध्या जा रही ट्रक पहले से खराब खड़ी ट्रक में पीछे से जा टकराई ।इस भीषण दुर्घटना में जहां ट्रक का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया ।चालक की मौत हो गई। कन्डेक्टर गम्भीर रूप से घायल हो गया ।घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गम्भीर रूप से घायल ड्राइवर को अमेठी जनपद के शुकुलबाजार सी एच सी अस्पताल पहुंचाया जहां पर उसे मृत्यु घोषित कर दिया। कड़ेक्टर का इलाज चल रहा है ।जानकारी के मुताबिक अयोध्या जनपद थाना इनायत नगर पलिया लोहनिया गांव निवासी राकेश कुमार पुत्र राम अचल कंडेक्टर दिनेश कोरी पुत्र सुभाष चंद्र निवासी कुचेरा थाना मिल्कीपुर के साथ बांदा से मौरंग लादकर अयोध्या आ रहा था। तभी सुबेहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेस वे गेरावा गांव के समीप 58 प्वाइंट पर पहुंचा ही था कि पहले से खराब खड़ी दूसरी मौरंग से लदी ट्रक में पीछे से जा टकराई । स्थानीय लोगों की सूचना पाकर मौके पर पहुंची सुबेहा पुलिस ने गम्भीर रूप से घायल युवक को सी एच सी शुक्लबजार में भर्ती कराया । जहां पर मौजूद चिकित्सक ने राकेश को मृत्यु घोषित कर दिया ।दिनेश का इलाज चल रहा है ।प्रभारी निरीक्षक कृष्णकांत सिंह ने बताया कि शव को पी एम के लिए भेजकर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

योगी ने पूर्व राज्यपाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अर्पित की श्रद्धांजलि

कहा- भारत माता के सपूत थे लालजी टंडन, राणा सांगा जयंती पर किया नमन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन की 90वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने लखनऊ समेत देश-प्रदेश की राजनीति में लगभग सात दशक तक अपनी एक मजबूत पहचान बनाकर रखी।

आदित्यनाथ ने कहा कि वे भारत माता के ऐसे सपूत थे जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में सम-विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए जीवन भर एक पार्टी, एक विचारधारा और राष्ट्रवाद के मूल्यों का अनुसरण किया। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टंडन जी की लखनऊ समेत देश-प्रदेश की राजनीति में प्रभावी उपस्थिति उनके मूल्यों और आदर्शों को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि टंडन जी का व्यक्तित्व यह दिखाता है कि जब एक व्यक्ति अपनी मर्यादाओं का पालन करता है तो उसे शिखर तक पहुंचने में देर नहीं लगती है। उन्होंने लखनऊ के एक सामान्य कार्यकर्ता और स्वयंसेवक के रूप में काम किया और फिर लखनऊ नगर पालिका परिषद और लखनऊ नगर निगम के पार्षद बने। योगी ने कहा कि इसके बाद वह विधान परिषद सदस्य और फिर विधायक के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री बने।

आदित्यनाथ ने कहा कि अपने सियासी सफर के दौरान वह लखनऊ के लोकप्रिय सांसद बने और उनकी साफसुथरी सार्वजनिक छवि, आम जनता के साथ उनके संवाद, हर एक के सुख-दुख में सहभागी बनने के उनके जज्बे को सभी ने देखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टंडन जी की सेवाएं, उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी एक प्रेरणा बना हुआ है। उनकी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण, महापौर सुषमा खर्कवाल, सांसद बृजलाल, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, विधायक ओपी श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

उनका शौर्य युगों-युगों तक स्वाभिमान से सिंचित करता रहेगा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राणा सांगा की जयंती पर उन्हें नमन किया। सीएम योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि धर्मरक्षा हेतु समर्पित रहे परम प्रतापी राणा सांगा जी की जयंती पर उन्हें कोटिश नमन! राष्ट्रभक्ति और त्याग की प्रतीक उनकी यशगाथा इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उनका शौर्य युगों-युगों तक भारतभूमि को स्वाभिमान से सिंचित करता रहेगा।

ठप हुआ यूपीआई का सर्वर, हजारों यूजर्स हुए दिन भर परेशान

» नई दिल्ली, एजेंसी।

शनिवार को देशभर में यूपीआई यूजर्स को एक बार फिर से डिजिटल पेमेंट में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तकनीकी खराबी की वजह से यूपीआई सर्विस अस्थायी रूप से ठप हो गई, जिससे लाखों यूजर्स की ट्रांजैक्शन फेल हो गईं। यह लगातार तीसरी बार है जब बीते दो हफ्तों में यूपीआई में ऐसी बड़ी तकनीकी समस्या आई है।

इससे पहले 26 मार्च और 2 अप्रैल को भी इसी तरह की परेशानी रिपोर्ट की गई थी। डाउन डिटेक्टर एक ऐसा प्लेटफॉर्म जो यूज़र्स की शिकायतों के आधार पर सर्विस में आई रुकावटों पर नजर रखता है, उसके मुताबिक शनिवार सुबह 11:30 बजे के बाद से यूपीआई ट्रांजैक्शन फेल होने की शिकायतें लगातार आने लगीं।

आगरा: जामा मस्जिद के बाहर प्रदर्शन करने वालों पर ऐक्शन

60 लोगों के खिलाफ पुलिस ने किया केस दर्ज

» आगरा, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा की पुलिस ने शुक्रवार को मस्जिद परिसर से पशु मांस बरामद होने के बाद जामा मस्जिद के बाहर प्रदर्शन करने वाले करीब 60 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस उपायुक्त (शहर) सोनम कुमार ने शनिवार को बताया, मस्जिद के अंदर मांस का टुकड़ा रखने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा, जामा मस्जिद के बाहर उपद्रव करने वालों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

प्रदर्शन में शामिल होने वाले करीब 60 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह घटना बृहस्पतिवार देर रात तब हुई जब शहर के मंटोला इलाके में स्थित जामा मस्जिद के अंदर कथित तौर पर नजरुद्दीन नाम के व्यक्ति ने पशु मांस से भरा एक पैकेट रखा लेकिन यह मामला शुक्रवार सुबह सामने आया, जिससे जुमे की नमाज से पहले इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में नजरुद्दीन को स्कूटी पर मस्जिद में आते और जाने से पहले परिसर के अंदर पैकेट रखते हुए देखा गया। मामले की जांच और इलाके की सुरक्षा के लिए 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की टीम तैनात की गई थी।

मांस को जब्त कर लिया गया और जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि इस कृत्य में इस्तेमाल की गई स्कूटी को स्थानीय मांस की दुकान के सामने देखा गया। दुकानदार से पूछताछ के बाद उन्हें आगरा के टीला नंदराम इलाके के रहने वाले आरोपी नजरुद्दीन का पता चला। उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि उसने अकेले ऐसा किया या उसके साथ कोई और था। अपर पुलिस आयुक्त संजीव त्यागी ने कहा कि आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा, हम इस कृत्य के पीछे की मंशा और इस बात की जांच कर रहे हैं कि इसमें और लोग शामिल थे या नहीं। शुक्रवार की नमाज़ के तुरंत बाद, लोगों का एक समूह मस्जिद के बाहर इकट्ठा हो गया और आरोपी के लिए मौत की सज़ा की मांग करने लगा। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। हालात के मद्देनजर जामा मस्जिद और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इलाके में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पुलिस गश्त बढ़ा दी गई। अधिकारियों ने निवासियों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह किया है।

हम अपने बेटों से रिक्शा चलवाएंगे?

संजय निषाद ने कह दी दिल की बात

» हमारा परिवारवाद सपा के परिवारवाद से अलग है: निषाद

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

लखनऊ। एनडीए के सहयोगी दल निषाद पार्टी के मुखिया संजय निषाद ने राजनीति में परिवारवाद को गलत नहीं बताया। उनका कहना है कि वे अपने बेटों को राजनीति में आगे बढ़ाएंगे ताकि उनका राजनीतिक मिशन जारी रहे। एक न्यूज चैनल से बातचीत में संजय निषाद ने कहा- हम अपने बच्चों को अगर विधायक और मंत्री नहीं बना पाएंगे तो दूसरे के बच्चों को क्या बनाएंगे। हमारे बच्चे रिक्शा चलाएंगे क्या। अगर हम अपने बेटे से रिक्शा चलवाएंगे और खेती करवाएंगे तो कैसे राजनीति करवा पाएंगे।

संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी के परिवारवाद से अपने परिवारवाद को अलग बताया है। उनका मानना है कि उनके बेटों के राजनीति में आने से समाज का भला होगा। उन्होंने कहा कि सपा का परिवारवाद सिर्फ अपने लोगों को सत्ता का सुख देने के लिए है, जबकि उनका परिवारवाद राजनीतिक मिशन को आगे बढ़ाने के लिए है। उनके बाद उनके बेटे उनके राजनीतिक मिशन को आगे बढ़ाएंगे और समाज को बिखरने नहीं देंगे।

फूलन देवी समेत कई नेताओं का उदाहरण दिया

यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने फूलन देवी, महेंद्र सिंह राजपूत लोधी, धनीराम वर्मा, मनोहर लाल निषाद और यमुना निषाद जैसे नेताओं का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि ये सभी समाज के बहुत बड़े नेता थे। जब इन नेताओं का निधन हुआ, तो मछुआ समुदाय के कारवां को आगे ले जाने वाला कोई नहीं था। अगर इन नेताओं ने भी अपने पीछे परिवार को खड़ा किया होता, तो मछुआ समुदाय और भी सशक्त होता।

संजय निषाद ने उन्होंने फूलन देवी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब तक उन्होंने मछुआ समाज का वोट सपा को दिलाया, वे नेता रहीं। लेकिन जब उन्होंने अपनी पार्टी बनाकर राजनीति करने की कोशिश की, तो उनकी हत्या करा दी गई। संजय निषाद ने कहा कि वे ऐसी कोई गलती नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके बाद उनके परिवार के लोग खड़े होंगे जो कफन बांधकर उनके मिशन को आगे बढ़ाएंगे।